

30/5

15054521

27.5.2017

✓

Exam. Code: 1103
Sub. Code: 8056

1057
Bachelor of Education
4th Semester
C-21: Guidance and Counselling
(In all mediums)

Time allowed: 2 Hours

Max. Marks: 40

NOTE: Attempt four questions in all, including Question No. VII (Unit-IV) which is compulsory and selecting one question each from Unit I - III.

x-x-x

UNIT-I

- I. Discuss the need, principles and scope of guidance. (10)
II. Define Counselling. Discuss various approaches to counselling in brief. (10)

UNIT - II

- III. Occupational Information service and Follow up service are important guidance services. Justify. (10)
IV. Throw light on the role of Headmaster and Counsellor in the guidance programme. (10)

UNIT - III

- V. Enumerate various testing techniques for understanding the individual? Discuss any one in detail. (10)
VI. Briefly discuss the importance of Cumulative Record Card and Case study for providing guidance. (10)

UNIT - IV

- VII. Write short notes on:-
a) Difference between guidance and counselling
b) Job Analysis (2x5)

x-x-x

(Hindi and Punjabi versions enclosed)

P.T.O.

धृति-१

- 1 निर्देशन की प्रकृति, सिद्धान्तों और क्षेत्र पर चर्चा करो।
- 2 परामर्श को परिभाषित करो। परामर्श के लिए विभिन्न प्रहृष्टियों पर संक्षिप्त चर्चा करो।

धृति-२

- 1) व्यावहारिक सुझाव देना और अनुवर्ती होने के लिए प्रवर्तन निर्देशन के वाक्यों हैं। औचित्य सिद्ध करो।
- 2) निर्देशन कार्यक्रम के सुसमाह्वयण और परामर्शदाता की शक्ति पर प्रभाव डालो।

धृति-३

- 1 व्यक्ति को समझने के लिए विभिन्न परीक्षण तकनीकों का वर्णन करो। किसी एक पर सविस्तार चर्चा करो।
- 2 निर्देशन प्रदान करने के लिए संचित रिक्त स्थानों और वृत्त अध्यायन के महत्व पर संक्षिप्त चर्चा करो।

धृति-४

- 1) संक्षिप्त नोट लिखो:
 - (क) निर्देशन और परामर्श में अंतर
 - (ख) मार्ग विश्लेषण

धृति-१

- 1) निरदेशन की प्रकृति, सिद्धान्तों और क्षेत्रों पर चर्चा करो।
- 2) परामर्श को परिभाषित करो। परामर्श के लिए विभिन्न प्रहृष्टियों पर संक्षिप्त चर्चा करो।

धृति-२

- 1) व्यावहारिक सुझाव देना और अनुवर्ती होने के लिए प्रवर्तन निर्देशन के वाक्यों हैं। औचित्य सिद्ध करो।
- 2) निर्देशन कार्यक्रम के सुसमाह्वयण और परामर्शदाता की शक्ति पर प्रभाव डालो।

धृति-३

- 1) व्यक्ति को समझने के लिए विभिन्न परीक्षण तकनीकों का वर्णन करो। किसी एक पर सविस्तार चर्चा करो।
- 2) निर्देशन प्रदान करने के लिए संचित रिक्त स्थानों और वृत्त अध्यायन के महत्व पर संक्षिप्त चर्चा करो।

धृति-४

- 1) संक्षिप्त नोट लिखो:
 - (क) निर्देशन और परामर्श में अंतर
 - (ख) मार्ग विश्लेषण